भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 17 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य से सटे उत्तर-पश्चिम, उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटों पर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है और अगले 24 घंटों के दौरान इसके एक अवदाब में बदलने की संभावना है।

ii) अगले 7 दिनों के दौरान गोवा, महाराष्ट्र (मुंबई सहित), गुजरात राज्य में भारी से बहुत भारी वर्षा, 17-19 तारीख के दौरान कोंकण (मुंबई सहित) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र, गुजरात क्षेत्र और 18-20 तारीख के दौरान; 19 और 20 अगस्त को सौराष्ट्र में अत्यधिक भारी वर्षा 19 और 20 अगस्त को अधिकतम गतिविधि के साथ।

iii) अगले दो दिनों के दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा में भारी से बहुत भारी वर्षा, 17-18 तारीख के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर, 18 तारीख को ओडिशा और तेलंगाना में अत्यधिक भारी वर्षा।

पिछले 24 घंटों में 17 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- पंजाब और मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- तटीय कर्नाटक, तेलंगाना, मराठवाड़ा, सौराष्ट्र और कच्छ, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा चंडीगढ़, उत्तराखंड, गुजरात क्षेत्र, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।**पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून गर्त अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर चलता है।
- आज सुबह 0530 बजे भारतीय मानक समय पर उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटों से दूर पश्चिम मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में, आज 17 अगस्त 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय मानक समय पर उसी क्षेत्र में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान एक अवदाब में केंद्रित होने और 19 अगस्त 2025 की दोपहर के आसपास दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों को पार करने की संभावना है।
- कल दक्षिण छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और आज 17 अगस्त 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय मानक समय पर विदर्भ और आसपास के क्षेत्रों पर स्थित हो गया। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे कमजोर होने और एक अवशिष्ट चक्रवाती परिसंचरण के रूप में 18 अगस्त की सुबह के आसपास गुजरात पहुँचने की संभावना है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्व अरब सागर और उससे सटे दक्षिण गुजरात-कोंकण के ऊपर निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच बना हुआ है।

- ❖ एक द्रोणिका उत्तर-पूर्व अरब सागर से ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण तक बनी हुई है जो पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटों से होते हुए उत्तरी मराठवाड़ा, विदर्भ और आसपास के क्षेत्रों और दक्षिण छत्तीसगढ़ से जुड़े निम्न दबाव वाले क्षेत्र से जुड़ा है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मध्य पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर बना हुआ है।

पश्चिम भारत:

- ✓ 17-19 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों; 19 और 20 अगस्त को गुजरात राज्य में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 17-21 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य में, 17-20 अगस्त के दौरान कोंकण (मुंबई सहित) और गोवा में; 17 और 18 अगस्त को मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, अगले 3 दिनों के दौरान मराठवाड़ा में।
- ✓ 20 अगस्त तक इस क्षेत्र में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ✓ 17 और 18 अगस्त को तटीय कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 17 तारीख को तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 17-20 तारीख के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, आंतरिक कर्नाटक में; 17 और 18 तारीख को रायलसीमा में; 17-19 तारीख के दौरान तेलंगाना में; 17-21 तारीख के दौरान तटीय कर्नाटक में; 18-20 अगस्त के दौरान केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 17 और 18 तारीख को रायलसीमा में; 17-20 तारीख के दौरान तटीय कर्नाटक में; 17-19 अगस्त को तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक में।
- ✓ 19 अगस्त तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान रायलसीमा, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तेलंगाना में गरज और बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 4 दिनों के दौरान विदर्भ; 17-19, 22 और 23 तारीख के दौरान ओडिशा; 17 तारीख को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 17, 19, 20 और 21 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 22 और 23 तारीख को गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड; 21-23 तारीख के दौरान बिहार; 19, 21 और 22 अगस्त को झारखंड; 17, 18, 22 और 23 तारीख को पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा; 23 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश; 17 और 18 अगस्त को विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा में भारी बारिश की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ✓ 17-19 तारीख के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; 17 और 18 तारीख को हिमाचल प्रदेश और 21-23 तारीख के दौरान; अगले 7 दिनों के दौरान उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान; 17-19 तारीख के दौरान और 23 तारीख को पंजाब; 17, 18, 22 और 23 तारीख को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; 22 और 23 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 21 से 23 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा के साथ 17 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भारी वर्षा; 17 और 23 अगस्त को हिमाचल प्रदेश; 20 अगस्त को पूर्वी राजस्थान।

- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और राजस्थान में गरज और बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना।

पूर्वोत्तर भारत:

- ✓ असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश में 7 दिनों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 20 और 21 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में बहुत भारी वर्षा; 20-23 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय में भी भारी वर्षा हो सकती है।
- ✓ अगले 3 दिनों के दौरान कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 17 अगस्त से 22 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

अरब सागर:

17 से 22 अगस्त के दौरान पश्चिम-मध्य अरब सागर के अधिकांश भाग और पूर्व-मध्य एवं दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के आसपास के क्षेत्र; 17 से 20 अगस्त के दौरान कोमोरिन क्षेत्र; 17 से 20 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप क्षेत्र; 17 से 22 अगस्त के दौरान कोंकण, गोवा, कर्नाटक तटों के साथ-साथ, 17 से 20 अगस्त के दौरान केरल तटों के साथ-साथ, 17 से 21 अगस्त के दौरान कर्नाटक तटों के साथ-साथ, 17 से 20 अगस्त के दौरान दक्षिण गुजरात तट के साथ-साथ और 20 से 22 अगस्त के दौरान संपूर्ण गुजरात।

17 से 22 अगस्त के दौरान सोमालिया, ओमान तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों के साथ-साथ।

बंगाल की खाड़ी:

17 से 20 अगस्त तक श्रीलंका तट के साथ-साथ; 17 से 20 अगस्त के दौरान बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भागों में और 20 से 22 अगस्त के दौरान बंगाल की खाड़ी के मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी भागों में, 17 से 20 अगस्त के दौरान आंध्र प्रदेश के साथ-साथ और 20 से 22 अगस्त के दौरान उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर; 17 अगस्त को दक्षिण ओडिशा के तटों के साथ-साथ और 18 से 22 अगस्त के दौरान संपूर्ण ओडिशा में।

17 से 20 अगस्त के दौरान मन्नार की खाड़ी के ऊपर और 17 से 20 अगस्त के दौरान तमिलनाडु तट के साथ-साथ और उसके आसपास।

17 से 19 अगस्त के दौरान अंडमान सागर के ऊपर।

ii. 17 से 20 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- पंजाब: फंगोटा (जिला पठानकोट) 22, रणजीत सागर बांध स्थल (जिला पठानकोट) 19, माधोपुर (जिला पठानकोट) 9, थीन डैम एडब्ल्यूएस (जिला पठानकोट) 8, मलिकपुर (जिला पठानकोट) 7;
- मध्य महाराष्ट्र: एरंडोल (जिला जलगांव) 21, महाबलेश्वर-आईएमडी ऑब्सी (जिला सतारा) 16, दहीगांव-एफएमओ (जिला जलगांव) 13, राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 11, गिरनादम - एफएमओ (जिला नासिक) 10, धरनगांव (जिला जलगांव) 7, धुले (जिला धुले) 7, पचोरा (जिला जलगांव) 7;
- कोंकण और गोवा: वक्वाली कृषि (जिला रत्नागिरी) 19, खेड़ (जिला रत्नागिरी) 18, म्हासला (जिला रायगढ़) 15, वसई (जिला पालघर) 14, सावरदे-अर्ग (जिला रत्नागिरी) 14, मानगांव (जिला रायगढ़) 14, दापोली कृषि (जिला रत्नागिरी) 13, हरनाई इमद ओब्सी (जिला रत्नागिरी) 13, चिपलून (जिला रत्नागिरी) 13, सुधागढ़ पाली (जिला रायगढ़) 12, भिवंडी (जिला ठाणे) 11, माथेरान (जिला रायगढ़) 11, महाड (जिला रायगढ़) 11, पनवेल_एग्री (जिला रायगढ़) 11, मंडनगढ़ (जिला रत्नागिरी) 11, त्बिया इमद पार्ट टाइम (जिला ठाणे) 10, रोहा (जिला) रायगढ़) 10, उरण (जिला रायगढ़) 10, श्रीवर्धन (जिला रायगढ़) 10, पेण (जिला रायगढ़) 10, ठाणे (जिला ठाणे) 10, पोलादपुर (जिला रायगढ़) 10, सांताक्रूज़ - आईएमडी ऑब्सी (जिला मुंबई उपनगर) 8, पालघर_कृषि (जिला पालघर) 8, ताला (जिला रायगढ़) 8, कर्जत_कृषि (जिलारायगढ़) 7;
- तटीय कर्नाटक: कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 18, जगलबेट (जिला उत्तर कन्नड़) 14, धर्मस्थल (जिला दक्षिण कन्नड़) 10, सिद्धपुरा (जिला उडुपी) 7;
- तेलंगाना: तामसी (जिला आदिलाबाद) 17, आदिलाबाद (जिला आदिलाबाद) 17, तलमदुगु (जिला आदिलाबाद) 16, सारंगपुर्नरल (जिला निर्मल) 13, भीमिनी (जिला मंचेरियल) 12, जैनूर (जिला कुमारम भीम) 10, केरामेरी (जिला कुमारम भीम) 10, बजरहथनूर (जिला आदिलाबाद) 9, बोथ (जिला आदिलाबाद) 9, वेलागतूर (जिला जगतियाल) 9, दिलावरपुर (जिला निर्मल) 8, दहेगांव (जिला कुमारम भीम) 7, जयपुर (जिला मंचेरियल) 7, तंदूरमएनसीएल (जिला मंचेरियल) 7, मुधोल (जिला निर्मल) 7;
- मराठवाड़ा: हिमायतनगर (जिला नांदेड़) 16, हदगांव (जिला नांदेड़) 13, टोंडापुर-अर्ग (जिला हिंगोली) 12, सोएगांव (जिला छ.संभाजीनगर) 11, कल्लमनुरी (जिला हिंगोली) 8, वसमत (जिला हिंगोली) 8, सेनगांव (जिला हिंगोली) 7, पूर्णा (जिला परभणी) 7, नांदेड़ - आईएमडी पार्टटाइम (जिला) नांदेड़) 7, कंधार (जिला नांदेड़) 7:
- सौराष्ट्र और कच्छ: भेसन (जिला जूनागढ़) 16, जामकंडोर्ना (जिला राजकोट) 12, गोंडल (जिला राजकोट) 11, वाडिया (जिला अमरेली) 11, धारी_अव्स (जिला अमरेली) 9, धारी (जिला अमरेली) 8, हलवद (जिला मोरबी) 7;
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: श्रृंगेरी एचएमएस (जिला चिक्कमगलुरु) 13, कम्मारडी (जिला चिक्कमगलुरु) 13, अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 12, जयापुरा (जिला चिक्कमगलुरु) 12, कोप्पा (जिला चिक्कमगलुरु) 11, कलासा (जिला चिक्कमगलुरु) 8, बालेहोन्नूर (जिला चिक्कमगलुरु) 7;
- पूर्वी राजस्थान: मसूदा (अजमेर) 11, माउंट आबू तहसील (सिरोही) 11, किशनगढ़ (अजमेर) 8;
- हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली (पूर्व दिल्ली): समालखा (जिला पानीपत) 10, नारायणगढ़ अर्ग (जिला अंबाला) 10, दादूपुर (जिला यमुनानगर) 7;
- उत्तराखंड: सामा (जिला बागेश्वर) 9, जखोली (जिला रुद्रप्रयाग) 8, मोरी (जिला उत्तरकाशी) 8, धनोल्टी (जिला गढ़वाल टिहरी) 8, लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 8, डीडीहाट (जिला पिथौरागढ) 8, उत्तर काशी (जिला उत्तरकाशी) 8, बागेश्वर (थमो) (जिला बागेश्वर) 7, बड़कोट (जिला उत्तरकाशी) 7, मसूरी (जिला) देहरादून) 7, उत्तर काशी (सीडब्ल्यूसी) (जिला उत्तरकाशी) 7, लक्सर (जिला हरद्वार) 7;
- तमिलनाडु: चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 9, वालपराई पीएपी (जिला कोयंबटूर), वालपराई तालुक कार्यालय (जिला कोयंबटूर) 7 प्रत्येक;
- गुजरात क्षेत्र: राजपीपला (जिला नर्मदा) 9, दंतीवाड़ा (जिला बनासकांठा) 9, नांदोद (जिला नर्मदा) 8;
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: पोर्ट ब्लेयर (जिला दक्षिण अंडमान) 9;
- केरल और माहे: अय्यनकुन्नु (जिला कन्नूर) 8;

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	17- Aug	18- Aug	19- Aug	20- Aug	21- Aug	22- Aug	23- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
7	ODISHA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
9	BIHAR	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	WS	FWS
14	PUNJAB	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	WS	WS	ISOL	ISOL	SCT	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
25	MARATHWADA	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	WS	WS	WS	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

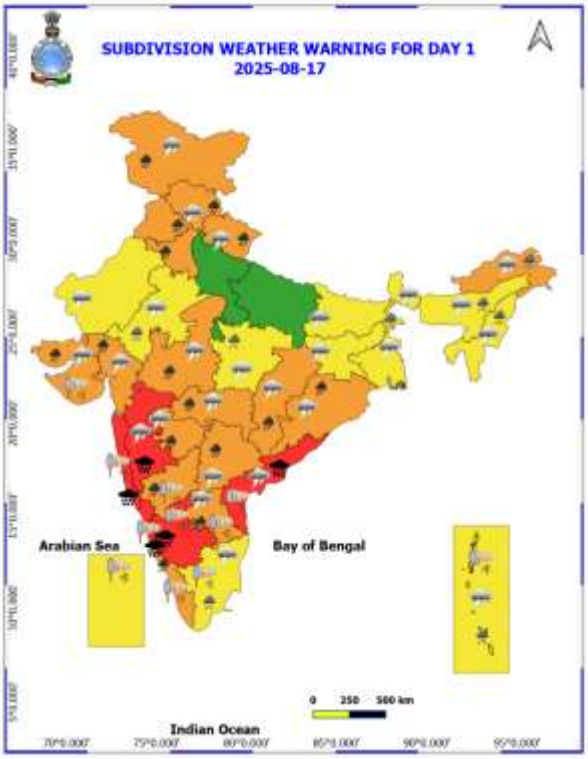
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

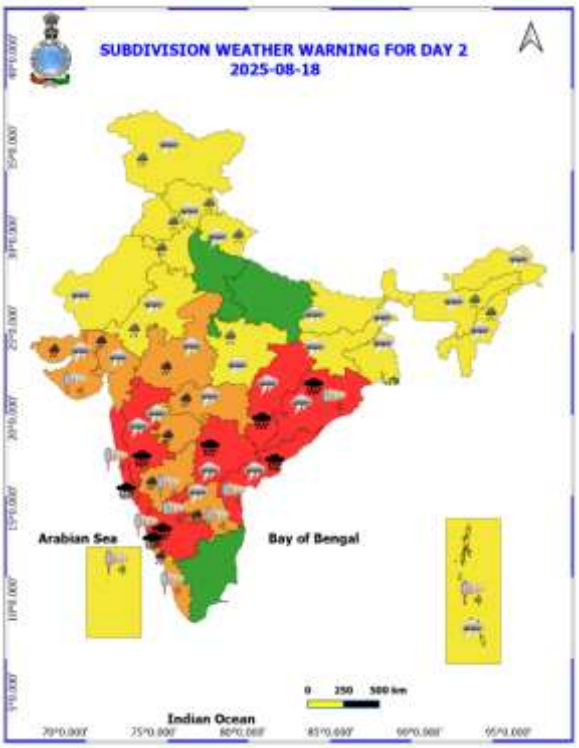
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

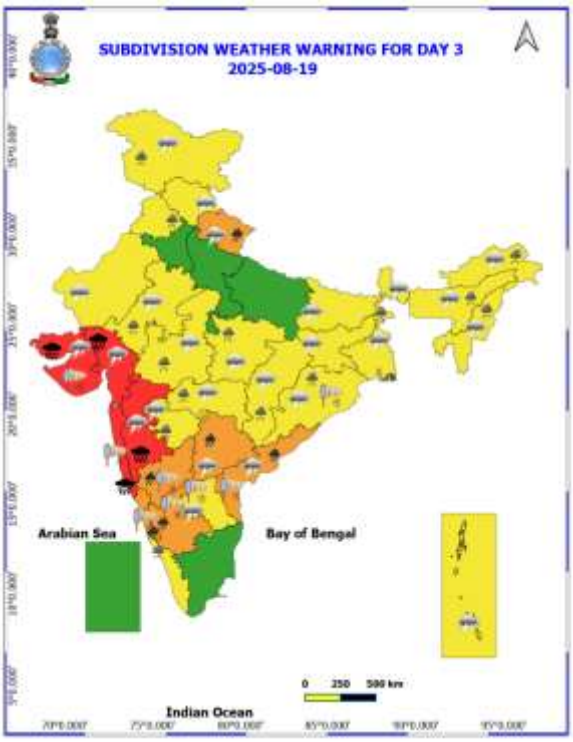
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

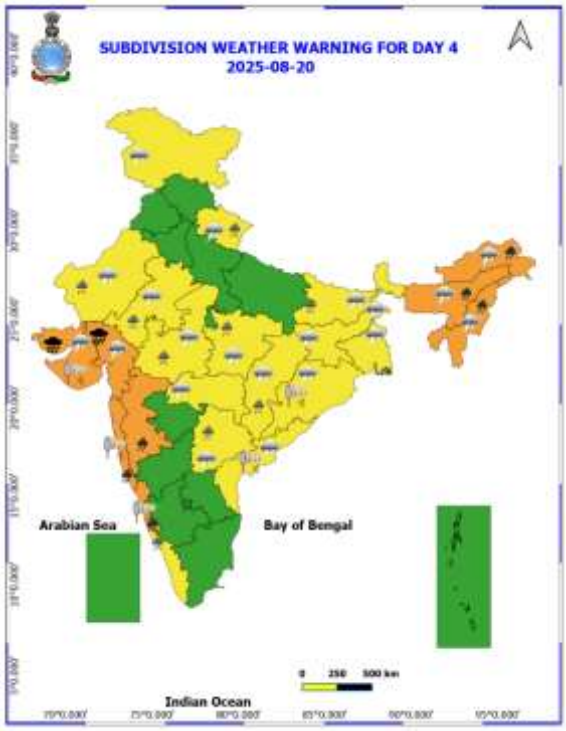

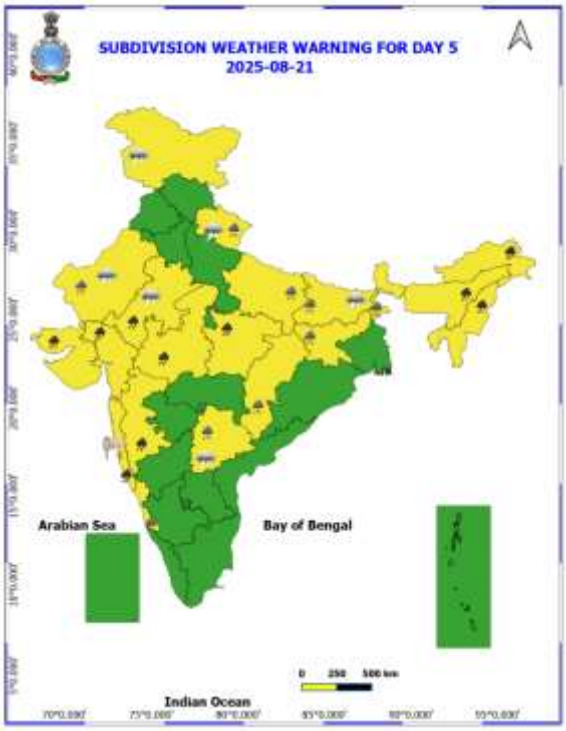

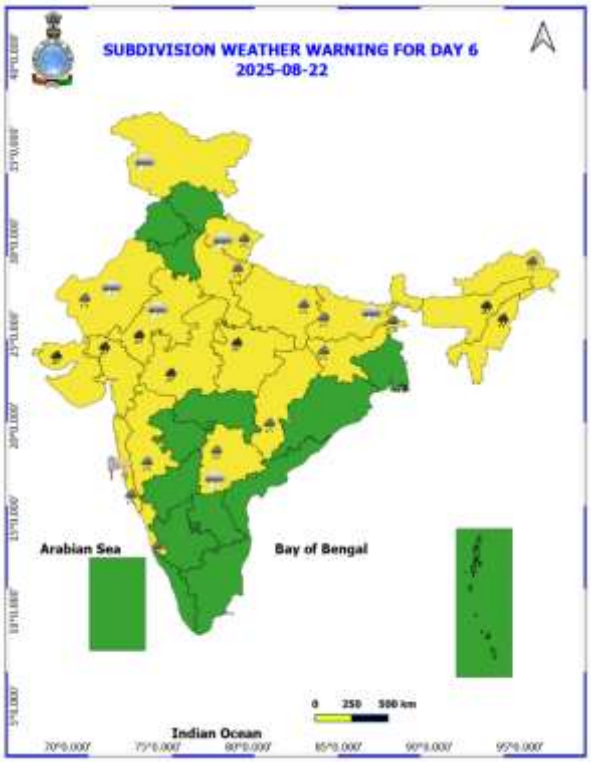

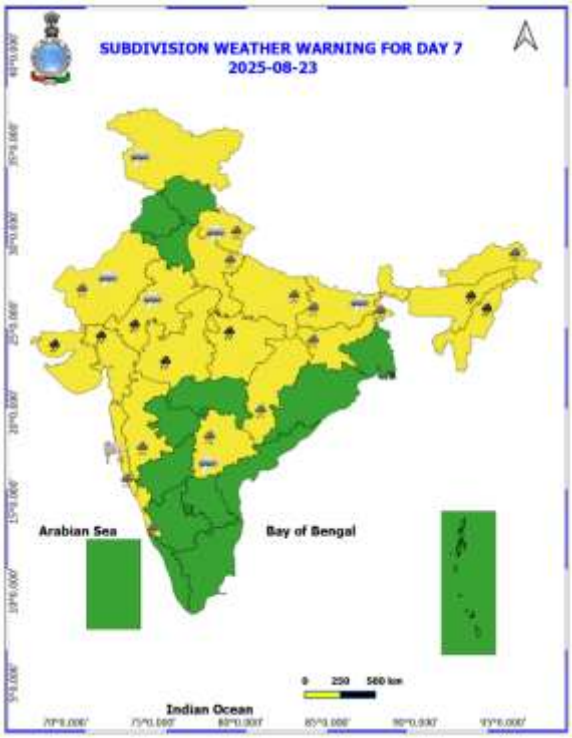

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

17 अगस्त से 20 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में 3-4°C की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। न्यूनतम तापमान 24-26°C और अधिकतम तापमान 33-35°C के बीच रहा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में 13 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दक्षिण-पूर्वी हवाएँ चलीं। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आयानगर में सबसे अधिक 4.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

मौसम पूर्वानुमान:

17.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के दौरान बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। दोपहर/शाम/रात के दौरान प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

18.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। पूर्वाह्न/दोपहर के दौरान बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर/शाम/रात के दौरान हवा की गति और दिशा समान रहेगी।

19.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक अधिक और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर/शाम/रात के दौरान हवा की गति और दिशा समान रहेगी।

20.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। सुबह/दोपहर के समय मुख्य सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की गति थोड़ी बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 17-19 के दौरान कोंकण और गोवा; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 19 और 20 को गुजरात राज्य; 17 और 18 अगस्त को तटीय कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 17-21 के दौरान मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य, 17-20 के दौरान कोंकण (मुंबई सहित) और गोवा, तटीय कर्नाटक में; 17 और 18 को मराठवाड़ा; 18 को केरल और माहे; 17 और 18 को रायलसीमा विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा; 17-19 को तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक; 17, 18, 22 और 23 को पश्चिम मध्य प्रदेश; 23 को पूर्वी मध्य प्रदेश; 17 तारीख को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली; 17 और 23 को हिमाचल प्रदेश; 20 को पूर्वी राजस्थान; 20 और 21 को अरुणाचल प्रदेश; 20-23 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- **महाराष्ट्र** में, **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** तथा **कोंकण** में धान के खेतों में 2.5 से 5 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखते हुए खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। **मराठवाड़ा** में, मूंग की काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। जलभराव से बचाव हेतु, **कोंकण** में रागी, हल्दी, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** में मक्का, मूंगफली, सोयाबीन एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; **मराठवाड़ा** में मूंगफली, उड़द, मूंग, सोयाबीन, कपास, अरहर, बाजरा, हल्दी, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; **पश्चिम विदर्भ** में सोयाबीन और कपास के खेतों से तथा **पूर्व विदर्भ** में धान, सोयाबीन, कपास, अरहर एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक प्रावधान करें।
- **गुजरात** में, **दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र** में धान, गन्ना, सब्जियों और कंद फसलों के खेतों से; **दक्षिण गुजरात क्षेत्र** में धान, कपास, गन्ना और अरहर के खेतों से; **दक्षिण सौराष्ट्र क्षेत्र** में मूंगफली, कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और अरहर के खेतों से; **उत्तर सौराष्ट्र क्षेत्र** में मूंगफली, कपास और तिल के खेतों से तथा **भाल और तटीय क्षेत्र** में धान, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की उचित व्यवस्था करें।
- **मध्य प्रदेश** में, **सतपुड़ा पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, कपास और सब्जियों के खेतों में; **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों के खेतों में; **निमाड़ घाटी क्षेत्र**

में सोयाबीन, अरहर, कपास और सब्जियों के खेतों में तथा **विंध्य पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, उड़द, कपास और अरहर के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।

- **छत्तीसगढ़** में, **बस्तर पठार क्षेत्र** में खरीफ मक्का, धान, लघु अनाज, दालों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। केले के बागानों को सहारा प्रदान करें। सब्ज़ियों के पंडालों को मज़बूत बनाएँ।
- **कर्नाटक** में, **तटीय क्षेत्र** में धान के खेतों एवं सुपारी और केले के बागानों में; **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों में तथा **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में धान एवं मक्का के खेतों तथा सुपारी और नारियल के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।
- **तेलंगाना** में, **उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र** में धान, कपास, मक्का, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों से तथा **दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र** में धान, कपास, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **आंध्र प्रदेश** में, **उत्तरी तटीय क्षेत्र** में मक्का, कपास, गन्ना, धान, मेस्ता, अरहर, मूंग, उड़द और मूंगफली के खेतों से तथा **उच्च ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **ओडिशा** में, **पूर्वी घाट उच्च भूमि क्षेत्र** और **दक्षिण पूर्वी घाट क्षेत्र** में, चावल, मक्का, मूंग, उड़द, अदरक, हल्दी, सब्जियों के खेतों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **जम्मू एवं कश्मीर** में, **उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मक्का, दलहन, लोबिया, बाजरा, चारा फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें। **मध्यवर्ती क्षेत्र** में जलभराव से बचाव हेतु मक्का, दलहन और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। **घाटी समशीतोष्ण क्षेत्र** में, लौकी, खीरा, करेला आदि की बेलों और बेल वाले टमाटर के पौधों को उचित सहारा प्रदान करें। अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु मक्का के खेतों में उचित जल निकासी नालियाँ बनाएं रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में तथा **उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में, पके हुए टमाटरों की कटाई कर उन्हे सुरक्षित स्थान पर रखें तथा मक्का, राजमा, सब्जियों और बागों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **उत्तराखंड** में, **पहाड़ी क्षेत्र** में, सोयाबीन, मक्का, दालों, रागी, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों और फलों के बागानों से; और **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में बाजरा, रागी और पहले से बोई गई मूंग की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। नैनीताल जिले में चावल, मक्का, सोयाबीन, मूंग और सब्जियों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाएं रखें।
- **पंजाब** में, **लहरदार मैदानी क्षेत्र** में, मिर्च के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और वर्षा के तुरंत बाद रुके हुए वर्षा जल को हटा दें। **उप-पर्वतीय लहरदार क्षेत्र** में, गन्ना, मक्का, सोयाबीन और मूंग की फसलों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- **हरियाणा** में, **पूर्वी क्षेत्र** में, कपास और बाजरा की फसल के खेतों में सिंचाई स्थगित करें और अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी व्यवस्था बनाएं।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

अचानक बाढ़ से बचाव हेतु मार्गदर्शन:

18-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा संभव है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, किन्नौर, मंडी, शिमला और सोलन जिले।
जम्मू और कश्मीर एवं लद्दाख - अनंतनाग, डोडा, जम्मू, कठुआ, किस्तवाड़, कुलगाम, पुंछ, राजौरी, रामबन, रियासी, सांबा, उधमपुर और मीरपुर जिले।
उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

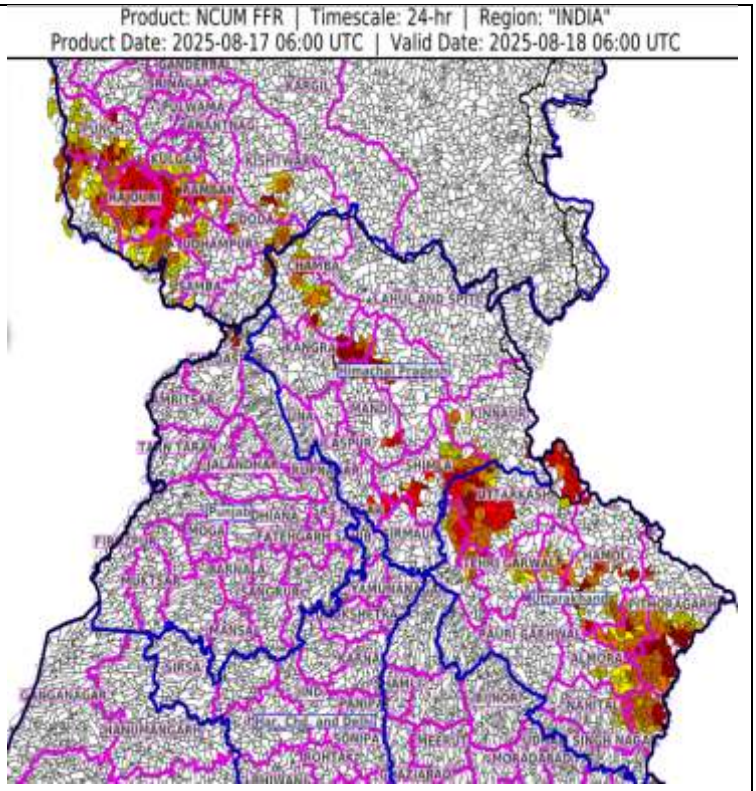

18-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले। कोंकण और गोवा - उत्तरी गोवा, दक्षिण गोवा, मुंबई शहर, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, उपनगरीय मुंबई और ठाणे जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	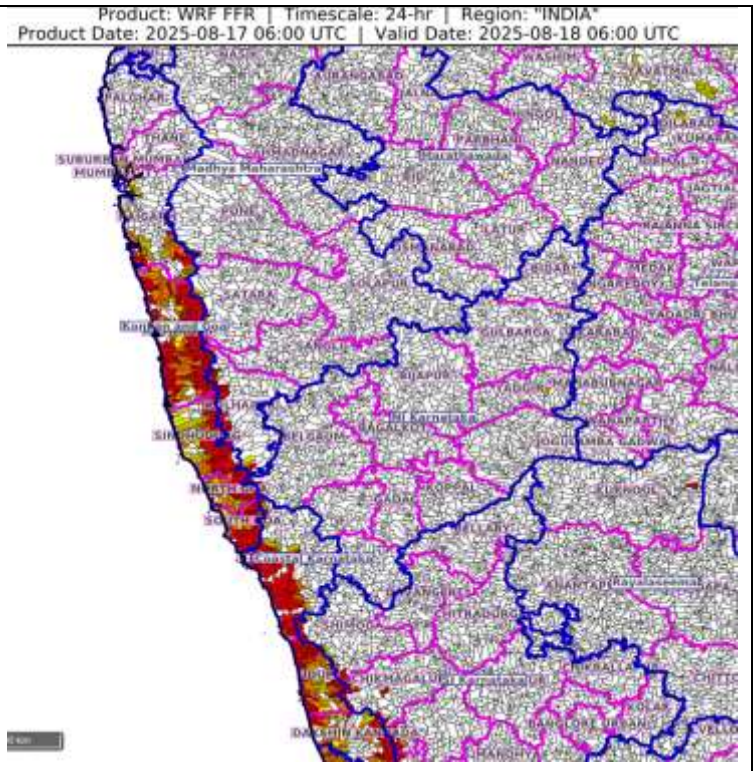

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

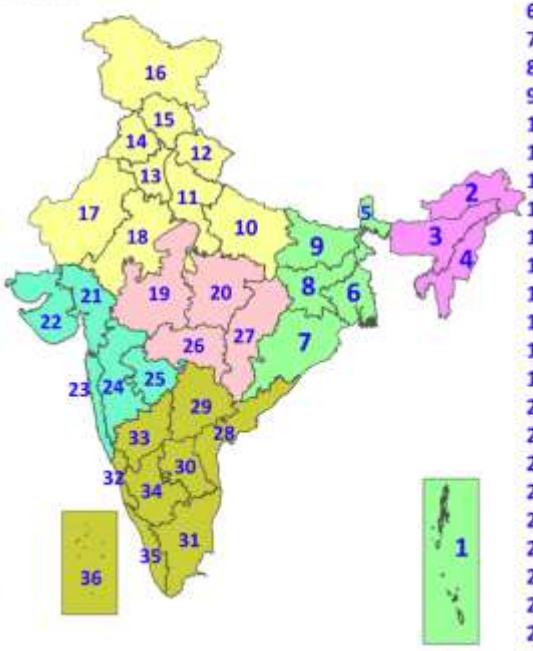

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)